वर्ष-9 | अंक 45 | भोपाल, 30 जून से 06 जुलाई 2025 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

मोहन यादव बोले- त्योहारों में श्रद्धालुओं की सुविधा और कानून व्यवस्था में बरतें सख्ती

बारिश से बने हालातों पर नजर रखें अफसर : सीएम मोहन

कानून व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे। सामान्य घटनाओं पर भी अनावश्यक मुद्दा बनाने और जिन प्रकरणों में कार्रवाई हो गई है। उनको लेकर विवाद की स्थिति निर्मित करने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। प्रदेश में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अच्छा हुआ है, इसके लिए सुरक्षा बल और उनके जवान बधाई के पात्र हैं।

उदय प्रताप सिंह चौहान

प्रदेश में बारिश के कारण हो रहे जल भराव और बाढ़ आपदा की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बारिश के कारण बनने वाले हालातों पर जिला और पुलिस प्रशासन हर पल नजर रखे और लोगों को खतरे की स्थिति बनने की सूचना पर तुरंत एक्शन ले। उन्होंने आने वाले दो महीनों सावन और भादों के प्रमुख त्यौहारों के मद्देनजर धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं रखने के लिए निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि नागरिकों के हित में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशील और सजग होकर दायित्व पूरा करें। गुरुवार रात समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई मीटिंग के दौरान मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इस माह अब तक 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। प्रदेश में एक से 26 जून तक हुई वर्षा 37 प्रतिशत अधिक है। अलीराजपुर और नीमच जिलों में सर्वाधिक वर्षा हुई है। अधिक वर्षा के अनुमान को देखते हुए जिलों में रपटे और पुल आदि जहां पानी ऊपर से बह रहा है, वहां बेरीकेड्स लगाए जाएं। नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। बारिश में नाले और नालियां समस्या बन रहे हों तो तत्परतापूर्वक समाधान का कार्य किया जाए। बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में मुनादी कराएं और वॉट्सऐप, दूरभाष आदि का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुंचाई जाए। संवेदनशील होकर समय पर सभी दायित्व अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरे किए जाएं। अतिवृष्टि से नागरिकों के बचाव के लिए होमगार्ड और अन्य आपदा राहत दल सक्रिय रहें। जिलों में बोट्स की भी आवश्यक व्यवस्था रहे।

सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वर्तमान में सर्पदंश से नागरिकों को बचाने की जो व्यवस्थाएं हैं, उनका विस्तार करते हुए पंचायतों और थानों के स्तर पर कार्रवाई की जाए। सर्पदंश से बचाव और उपचार का प्रशिक्षण देने की प्रदेश में शुरुआत हुई है, जो सराहनीय है। इस कार्य को लगातार किया जाए। संभव हो तो कालबेलिया समुदाय के युवाओं को भी इस कार्य में अधिक दक्ष बनाकर उनकी सेवाएं ली जाएं। इन प्रयासों से सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों को बेहतर तरीके से बचाया जा सकता है।

श्रावण मास में सवारियों और यात्राओं के लिए करें जरूरी व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि आगामी दो महीनों में विभिन्न त्यौहारों पर जरूरी व्यवस्थाएं करें। ओंकारेश्वर, उज्जैन और मंदसौर में श्रावण मास में सवारियों और कावड़ यात्रियों के आवागमन को देखते हुए जरूरी प्रबंध किए जाएं। जनजातीय कलाकारों और पुलिस बैंड के माध्यम से कार्यक्रमों को आकर्षक बनाया जाए।

किसानों को खाद बीज की कमी न हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में किसानों के लिए खाद, उर्वरक और बीज की व्यवस्था और सप्लाई रखी जाए। इन वस्तुओं की किसी भी स्थिति में कालाबाजारी नहीं होना चाहिए। दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

विद्यार्थियों को मिले पाठ्यपुस्तकें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि स्कूलों में पुस्तकों की सप्लाई समय पर की जाए। कलेक्टर यह देखें कि इस कार्य में लापरवाही न हो। किसी दुकान विशेष से महंगी दर पर कॉपी-किताब खरीदने को विवश न किया जाए। शीघ्र ही सांदीपनि विद्यालयों सहित अन्य विद्यालयों के लिए निर्मित नए कक्षों और सुविधाओं को लोकार्पित कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए। यह कार्य मिशन मोड पर किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लगभग 85 प्रतिशत एडमिशन हुए हैं।

सड़कों पर घूमने वाली गायों को गौ शालाओं में ले जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजमार्गों और शहरों में सड़कों पर घूमने वाली गायों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। बड़ी गौशालाओं में व्यवस्था आसान है। अन्य गौशालाओं में भी अनुदान राशि बढ़ाई गई है। पशुपालक स्वयं भी गायों को सड़क पर न आने दें। सूखे स्थान की भी व्यवस्था की जाए जिससे गायें वहां बैठ सकें। प्रशासन द्वारा पशुपालकों को गौ-शालाओं की व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी जाए।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य पर भी बोले सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम एवं समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए। एनीमिया नियंत्रण के लिए बहुआयामी प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी कलेक्टर्स से चर्चा कर निर्देश दिए।

पदोन्नतियों के लिए जल्द करें कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नौ वर्ष के बाद अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के निर्णय पर अमल किया जाए। विभागों द्वारा समय-सीमा में सभी कार्रवाई पूरी की जाएं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा परिवार में अब 14 करोड़ प्राथमिक सदस्य!
सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

भोपाल में विवाद में बीचबचाव करने पहुंचा था; लड़की को लेकर भिड़े थे दो गुट

निगमकर्मी के सामने छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोलार में नगर निगम के फायरकर्मी के सामने उसके छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना एक रेस्टोरेंट के पास बुधवार रात 10 से 11 बजे के बीच हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरकर्मी सूरज मोरे और उसका दोस्त आशीष रेस्टोरेंट में बैठकर चाय पी रहे थे। यहां आशीष का किसी लड़की को लेकर कुछ युवकों से विवाद हो गया। मामला बढ़ा तो आशीष ने सूरज के भाई आकाश (23) को कॉल कर बुला लिया। दूसरे पक्ष ने भी अपने साथियों को बुलाया। इसके बाद दोनों ओर से चाकूबाजी की गई। चाकूबाजी में आकाश और दूसरे गुट का एक युवक जख्मी हो गए। आकाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे युवक की हालत गंभीर है।

घटना के बाद से आरोपी फरार

पुलिस ने बताया कि मामले में अवध राठौड़ और तरुण कुशवाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दोनों की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में लोग कोलार थाने पहुंच गए और देर रात तक थाने का घेराव कर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसर मौके पर पहुंचे और भीड़ को शांत कराया। आरोपी फरार हैं।

दोनों गुटों में लड़की को लेकर विवाद

बताया जा रहा है कि दोनों गुटों में लड़की को लेकर विवाद था। समाज के वरिष्ठ ने चाय की दुकान पर दोनों गुटों को समझौते के लिए बुलाया था। पंचायत में विवाद का हल तलाशने की बात चल रही थी। तभी वारदात हो गई।

पूजन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन में इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा में सम्मिलित हुए और पूजन किया।

भोपाल में 10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

दादा-पिता और मां के मौत के बाद डिप्रेशन में थी; फांसी लगाकर दी जान

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के रातीबढ़ इलाके में रहने वाली 10वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तीन साल पहले उसकी मां ने भी सुसाइड कर लिया था। जबकि उसके पिता की भी मौत हो चुकी है। एक साल पहले दादा की बीमारी के चलते उनका भी निधन हो गया। परिजन की लगातार मौत से दुखी छात्रा डिप्रेशन में थी। गुरुवार की रात उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। सब इंस्पेक्टर गब्बर सिंह के मुताबिक, भूमिका पुत्री कमलेश भौसले (15) सुरभि कॉलोनी में रहती थी। वह एक निजी स्कूल में कक्षा दसवीं की छात्रा थी। 2017 में उसके पिता की हार्ट अटैक

से मौत हो चुकी थी। जबकि उसकी मां ने 2021 में खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा ली थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। भूमिका और उसका छोटा भाई अपनी दादी के पास रहता था।

चिड़चिड़ी हो चुकी थी भूमिका

माता-पिता की मौत के बाद से वह दुखी रहती थी। साथ ही चिड़चिड़ापन भी रहता था। गुरुवार की रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था।

भगवान शिव की नगरी अविनाशी काशी में आज माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री @AmitShah जी के साथ काशी के कोतवाल श्री काल भैरव जी के दर्शन-पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

भोपाल गैंगरेप मामले में खुलासा

कारोबारी ने नाबालिग पर शराब डाली-रुपए उड़ाए, फिर किया दुष्कर्म

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में 15 साल की लड़की के साथ रेप के मामले में मुख्य आरोपी रिया उर्फ रितु यादव ने कई खुलासे किए हैं। इवेंट मैनेजर रिया ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि बैरागढ़ के कपड़ा और जूता कारोबारी मुकेश बालचंदानी ने नाबालिग के साथ पूल पार्टी में रेप किया था। इसके बाद रिया के घर शराब पार्टी हुई। इसमें मुकेश ने पीड़िता पर डांस करने का दबाव बनाया। उसके शरीर पर शराब डाली, फिर जबरन पिलाई। डांस पर हजारों रुपए उड़ाए। फिर उसके साथ रेप किया। रिया ने बताया कि घटना 20-21 जून की दरमियानी रात की है। पार्टी के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ी, तब रिया घबरा गई। वह नाबालिग को उसके घर भेजना चाहती थी लेकिन तबीयत खराब होने के कारण ऐसा नहीं किया। रिया को डर था कि मुकेश ने लड़की के साथ गलत काम किया है, ऐसी हालत में वह घर पहुंची तो परिजन को संदेह हो जाएगा। बात पुलिस तक जाएगी और रिया को जेल जाना पड़ेगा। लिहाजा उसने लड़की को अपने ही घर में रखा। नाबालिग से संबंध बनाने के एवज में रिया को मोटी रकम मिली थी।

6 आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

रिया पर आरोप है कि 19 जून को उसने

नाबालिग को बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर बुलाया। वहां उसे युवकों के हवाले कर दिया। अगले दिन एक फार्महाउस में पूल पार्टी में ले जाकर पीड़िता को जूस में नशीला पदार्थ पिलाया। वहां भी उसका यौन शोषण किया गया। इसी दिन रिया के घर शराब पार्टी में मुकेश बालचंदानी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में दो महिलाओं समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी माही फरार है। रिया दो साल से इवेंट मैनेजमेंट का काम कर रही है। इससे पहले 18 जून को परिजन ने नाबालिग की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर करोंद बुलाया

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया- मैं रिया दीदी, उनके बॉयफ्रेंड नावेद को पहले से जानती हूं। 19 जून को रिया दीदी ने मुझे बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर करोंद बुलाया। जब मैं वहां पहुंची तो जहांगीराबाद निवासी हनीफ शाह पहले से मौजूद था। उसने जोर-जबरदस्ती कर मेरे शरीर पर इत्र लगाया। मैं होश खोने लगी।

जब आंख खुली तो आधे कपड़े उतरे हुए थे

पीड़िता ने बताया- 20 जून को रिया दीदी मुझे खजूरी सड़क इलाके के एक फार्महाउस 'चॉइस विला' ले गई। वहां पूल पार्टी चल रही थी। यहां उन्होंने मुझे जूस में शराब मिलाकर पिलाई। थोड़ी देर बाद मुझे पेट दर्द और उल्टी हुई तो रिया दीदी ने एक कमरे में सुला दिया। रात में जब आंख खुली तो मेरे आधे कपड़े उतरे हुए थे। रिया कमरे में अपनी दोस्त माही के साथ बैठी थी। घर लौटने पर रिया ने मुझे बताया कि मुकेश बालचंदानी ने मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। जब मैंने घर जाने की बात की तो रिया ने मारपीट की और मुझे घर नहीं जाने दिया।

मौका देखकर अपनी मां को इंस्टा कॉल किया

पीड़िता ने पुलिस को बताया- 21 जून को जब रिया दीदी ब्यूटी पार्लर गई तो मैंने मौका देखकर अपनी मां को इंस्टाग्राम पर कॉल किया। मां फौरन पुलिस को लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची और मुझे छुड़ाया। मामले में पुलिस रिया, मुकेश, हनीफ, कपिल, नावेद और अनस को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पता लगा रही है कि रिया इवेंट मैनेजमेंट के नाम पर देह व्यापार के कारोबार से तो नहीं जुड़ी है?

बड़ा तालाब पर सेना की बाढ़ राहत ड्रिल

रेस्क्यू बोट से युवक को निकाला, पानी में डाइव कर एनडीआरएफ टीम ने किया लाइव रेस्क्यू

न्यूज क्राइम फाइल

बड़ा तालाब स्थित 3 EME प्रशिक्षण केंद्र, खानूगांव में शुक्रवार को भारतीय सेना के नेतृत्व में बाढ़ राहत और खोज-बचाव कार्यों की संयुक्त ड्रिल की शुरुआत हुई। इस अभ्यास में सेना के साथ NDRF, SDRF और गृह विभाग की टीमें शामिल हुईं। सुबह 10:45 बजे शुरू हुए इस मॉक डेमोंस्ट्रेशन ने लोगों को आपदा की घड़ी में रेस्क्यू ऑपरेशन का वास्तविक अनुभव दिया।

SDRF ने दिखाया तालमेल, रेस्क्यू का अद्भुत प्रदर्शन

डेमोंस्ट्रेशन के दौरान SDRF की टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों की तरह पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। टीम के सदस्य तालमेल के साथ बोट में सवार होकर

पानी के बीच पहुंचे और डूबते व्यक्ति की लोकेशन ट्रेस कर उसे बचाया। यह दिखाया गया कि किस तरह SDRF टीम वायरलेस और कॉलिंग के जरिए एक-दूसरे से समन्वय करती है और हर एक्शन प्लान को टीम भावना से अंजाम देती है।

NDRF डाइवर्स ने गहरे पानी से रेस्क्यू किया

ड्रिल का सबसे रोमांचक हिस्सा रहा हृष्टक्रन्त के डाइवर्स का लाइव प्रदर्शन। टीम ने यह दिखाया कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब जाए तो किस प्रकार प्रशिक्षित गोताखोर पानी में उतरकर उसकी तलाश कर उसे सुरक्षित बाहर निकालते हैं। गहरे पानी से एक युवक को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर वास्तविक स्थिति जैसी रेस्क्यू कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया।

सभी तरह की बोट्स रही मौजूद

रेस्क्यू ऑपरेशन में इस्तेमाल की जाने वाली सभी तरह की बोट्स - रिलीफ बोट, सेफ्टी बोट, और रेस्क्यू बोट मौके पर मौजूद रहीं। इनके जरिए यह बताया गया कि अलग-अलग परिस्थितियों में कौन सी बोट का कैसे उपयोग किया जाता है। एक डेमो में तो बोट के जरिए युवक को तालाब के बीच से रेस्क्यू किया गया, जिसमें SDRF, NDRF और सेना के जवानों ने संयुक्त रूप से तालमेल का परिचय दिया।

कोआर्डिनेशन भी बना ड्रिल का हिस्सा

ड्रिल के दौरान सिर्फ रेस्क्यू नहीं, बल्कि टीमों के बीच कम्युनिकेशन को भी प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। यह दिखाया गया कि किस तरह वायरलेस, मोबाइल कॉल और सिग्नल के जरिए टीमों के बीच रियल टाइम संवाद होता है और कैसे वे एक साथ मिलकर काम करती हैं। इस ड्रिल के जरिए भोपालवासियों को भरोसा दिलाया गया कि सेना और आपदा प्रबंधन एजेंसियां हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भाजपा सरकार में मध्य प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा! मध्य प्रदेश स्टार्ट-अप केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2024 25 में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की।
वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मप्र

आलेख

इजरायल-ईरान युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी डालता है असर

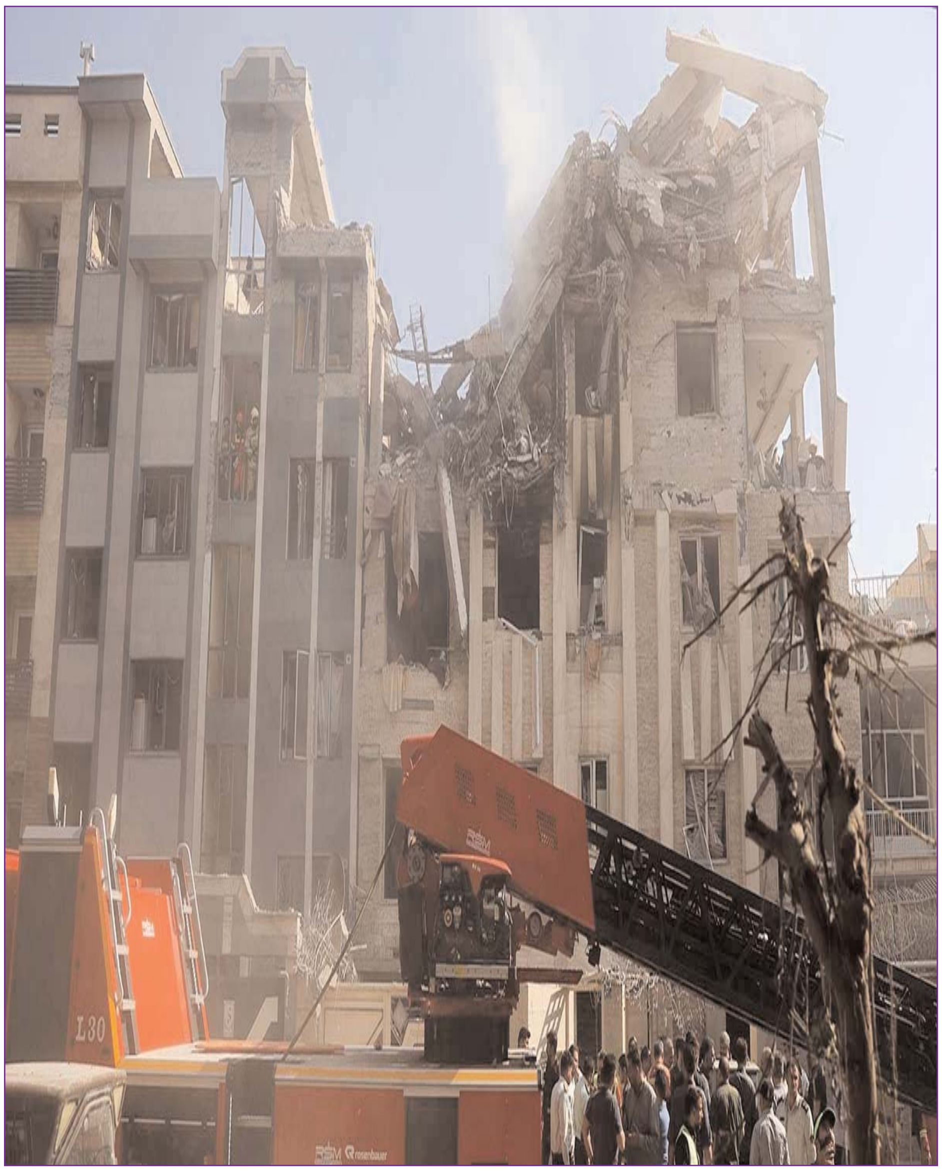

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है। देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। यूरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं। युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़ जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है। ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है। पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

सम्पादकीय

संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने जो गलती की थी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान किया तो कांग्रेस आग बबूला हो गयी। कांग्रेस शायद भूल गयी है कि आपातकाल के दौरान जब सारा विपक्ष जेल में ठूँस दिया गया था तब इंदिरा गांधी की तत्कालीन सरकार ने संविधान की प्रस्तावना में जबरन दो शब्द जोड़ दिये थे। कांग्रेस को समझना चाहिए कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द जब बाबा साहेब आंबेडकर के लिखे गये संविधान की प्रस्तावना में थे ही नहीं तो उस पर सवाल उठेंगे ही। ऐसा भी नहीं है कि आरएसएस ने ही पहली बार इन दोनों शब्दों पर सवाल उठाया हो। समाज के कई वर्गों की ओर से इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल करने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी थी। आरएसएस पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगा रही कांग्रेस शायद भूल रही है कि उसकी सरकारों ने ही सर्वाधिक बार संविधान में संशोधन किये और संविधान की प्रस्तावना तक को संशोधित कर डाला। इंदिरा गांधी सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द तब जोड़े थे जब देश में आपातकाल लगा था और विपक्ष के सारे नेता जेल में थे। यह सही है कि संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, संविधान में संशोधन किया जा सकता है और यह शक्ति संसद के पास है जो प्रस्तावना तक भी विस्तारित है। मंगर उस समय संसद ने लोकतंत्र की भावना के अनुरूप काम नहीं किया और विपक्ष की गैर-मौजूदगी में संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ''संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'' से बदलकर ''संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य'' कर दिया गया। उस समय राजनीतिक कारणों से संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द को डाला गया। कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि जब प्रस्तावना को 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा ने स्वीकार किया था, तब 1976 में उसे बदल क्यों दिया गया? कांग्रेस को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि 1976 में किये गये संशोधन के बाद भी संविधान की प्रस्तावना में क्यों लिखा है कि उसे 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया गया? आरएसएस पर सवाल उठा रही कांग्रेस को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2023 में नये संसद भवन में कामकाज के पहले दिन सांसदों को दी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्द नहीं थे। उस समय केंद्र सरकार ने तर्क दिया था कि यह मुद्रित प्रति ही मूल प्रस्तावना थी। कांग्रेस को समझना होगा कि संविधान में सामान्य संशोधनों और प्रस्तावना में किये गये संशोधन में बड़ा फर्क है। कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान अलोकतांत्रिक रूप से जो कार्य किया था अब उसे ठीक करने का आह्वान किया जा रहा है तो इसमें गलत क्या है? संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द रहें या नहीं रहें।

देश में बढ़ते दलित अत्याचार बाबा साहेब के संविधान पर हमला है! यह न्याय, समानता और मानवता के खिलाफ़ साजिश है!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

पदोन्नति के नए नियम लागू

पांच तहसीलदारों को बनाया प्रभारी डिप्टी कलेक्टर

न्यूज क्राइम फाइल

राज्य सरकार ने हाल ही में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 लागू किए हैं और सभी विभागों को 31 जुलाई तक इन्हीं नियमों के तहत पदोन्नति आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन इन्हीं नियमों को लागू कराने वाले सामान्य प्रशासन विभाग ने खुद पांच तहसीलदारों को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बना दिया है। ये पदस्थापनाएं पुराने सिस्टम के तहत कार्यवाहक पदोन्नति के आधार पर की गई हैं। जबकि दूसरी तरफ ब्रष्ठ खुद कह चुका है कि अब सभी पदोन्नति नई व्यवस्था के मुताबिक ही की जाएंगी।

पांच तहसीलदार बने प्रभारी डिप्टी कलेक्टर

■अलका एक्का - बैतूल की तहसीलदार थीं, अब पांढुर्णा में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनीं।

■आलोक वर्मा - आगर मालवा में तहसीलदार थे, अब शाजापुर में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनाए गए।

■अनिल कुमार तलैया - पहले छतरपुर के तहसीलदार थे, अब पन्ना में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई।

■बालकृष्ण मिश्रा - कटनी में तहसीलदार थे, अब सतना के प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनाए गए।

■अनिल राघव - ग्वालियर के तहसीलदार थे, अब वहीं प्रभारी डिप्टी कलेक्टर की भूमिका संभालेंगे।

■गौर करने वाली बात यह है कि पुलिस विभाग ने GAD के नए नियमों के बाद कार्यवाहक पदोन्नति की प्रक्रिया रोक दी है, लेकिन ब्रष्ठ ने खुद ही पुराने नियमों के आधार पर ये पदस्थापनाएं कर दीं।

चार एएसपी के तबादले, जबलपुर को मिला नया एएसपी

■गृह विभाग ने गुरुवार को चार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के तबादले किए हैं। इनमें उज्जैन, दमोह और भोपाल में पदस्थ अफसर शामिल हैं। सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

■संदीप मिश्रा - अब तक दमोह में एएसपी थे, अब उन्हें पुलिस मुख्यालय भोपाल में एआईजी बनाया गया है।

■पल्लवी शुक्ला - उज्जैन की एएसपी थीं, अब उन्हें जबलपुर का एएसपी नियुक्त किया गया है।

■संजय सिंह पंवार - भोपाल में 7वीं वाहिनी ब्स्न के एएसपी थे, अब बने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात (जोन 1-2), भोपाल।

■विक्रम सिंह रघुवंशी - अब तक भोपाल में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात (जोन 1-2) थे, अब बनाए गए एआईजी, पीटीआरआई, पीएचक्यू भोपाल।

■गृह विभाग ने सभी अधिकारियों को जल्द से जल्द नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए हैं।

किसान की हत्या करने वाले दो भाई गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के गुनगा इलाके में स्थित काछी बरखेड़ा में जमीन विवाद में छोटे भाई की हत्या करने वाले दोनों भाई सहित एक भतीजे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। गुनगा पुलिस के मुताबिक काछी बरखेड़ा निवासी 46 वर्षीय बनवारी सिंह ठाकुर खेती किसानी करता था। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था। भाइयों की करीब 14 एकड़ संयुक्त खाते की जमीन थी। जिनका बंटवारा हो गया था। मां छोटे बेटे बनवारी के साथ रहती थी। इसलिए उन्होंने अपने हिस्से की तीन एकड़ जमीन बनवारी के नाम कर दी थी। मां के हिस्से की जमीन पर बनवारी के बड़े भाइयों बैशराम सिंह और भुजमल सिंह ने कब्जा कर रखा था।

आए दिन होते थे विवाद

इसी जमीन को लेकर उनके बीच अक्सर विवाद होता था। बुधवार रात भी भुजमल और बनवारी का विवाद हुआ। जिसमें भुजमल, बैशराम और भुजमल के बेटे मनीष ने बनवारी पर लाठी-डंडे और चाकू से हमला कर दिया था। बाद में परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसकी मौत हो गई थी।

थाना प्रभारी बोले- तीनों आरोपी गिरफ्तार

थाना प्रभारी लावन्या वर्मा ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। तीनों को जेल भेज दिया गया है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

नई दिल्ली में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में आशीर्वाद देने और अक्टूबर माह में सीहोर में आयोजित होने वाले वृहद कृषि मेले में पधारने हेतु आमंत्रण दिया।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था पति

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने करवाई हत्या; कोर्ट ने तीनों को सुनाई उम्रकैद की सजा

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश के संस्कारधानी जबलपुर के ग्राम मझगवां में दो साल पहले एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त से पति की हत्या करवा दी। फिर पूरे समय पुलिस के साथ रही। दो साल बाद जघन्य हत्याकांड में जबलपुर जिला एससी-एसटी कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए महिला सहित उसके प्रेमी और साथी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपियों को एक-एक हजार रुपए का अर्थदंड से भी दंडित किया है। आरोपी महिला ने सिर्फ इसलिए पति की हत्या करवा दी, क्योंकि वह उसके प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था। 24 अक्टूबर 2022 की रात को मृतक आशीष कुमार चौधरी का शव गांव से बाहर खून से लथपथ मिला। परिजनों ने घटना की जानकारी तुरंत ही मझगवां थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। ग्रामीणों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि मृतक प्राइवेट जॉब करता था। घटना वाले दिन शाम करीब 6 बजे साप्ताहिक बाजार के लिए खरीदारी करने ग्राम कुम्ही आया था। शाम 7 बजे शराब दुकान के पास आशीष चौधरी गांव के धर्मेन्द्र उर्फ धिन्नु पटेल एवं अमित उर्फ

मनीषा चौधरी, पत्नी | धर्मेन्द्र पटेल, बॉयफ्रेंड | अमित पटेल, दोस्त

चालीसा के साथ खड़ा दिखाई दिया था। कुछ देर बाद आशीष धर्मेन्द्र और अमित के साथ गांव से बाहर आ गया। अगले दिन खून से सनी आशीष की लाश पुलिस को मिली।

प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था पति

आशीष के सिर पर गंभीर चोट थी। पास ही आशीष की बाइक पड़ी हुई थी। देखकर लग रहा था कि जैसे किसी ने सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी है। संदेह के आधार पर ग्रामीणों के द्वारा दी गई जानकारी पर पुलिस ने धर्मेंद्र और अमित को हिरासत में लिया। पहले तो दोनों ने साफ इनकार कर दिया कि वह आशीष के साथ नहीं थे और ना ही उन्होंने हत्या की है। सख्ती से पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि प्लान के तहत ही हत्या की गई थी, जिसकी मास्टरमाइंड मनीषा उर्फ साधना थी। जिसने आशीष की हत्या का प्लान सिर्फ इसलिए बनाया था कि वह प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था।मनीषा ने प्लान बनाया कि धर्मेंद्र पहले आशीष से दोस्ती करेगा, फिर कुछ दिन बाद साथ में शराब पीने के लिए उसे गांव से बाहर ले जाकर हत्या कर देगा। मनीषा और धर्मेंद्र ने अमित को भी इसमें शामिल किया।

पति को लग गई थी पत्नी के संबंध की जानकारी

मझगवां थाना पुलिस को पूछताछ में धर्मेंद्र ने बताया कि करीब एक साल पहले मृतक की पत्नी मनीषा उर्फ साधना से उसके प्रेम संबंध हुए थे, जिसकी जानकारी मृतक को लग गई थी, उसके बाद से वह साधना के साथ मारपीट कर उसे परेशान करना लगा था। आशीष की प्रताड़ना से परेशान होकर साधना के कहने पर धर्मेन्द्र ने अपने दोस्त अमित उर्फ चालीसा पटेल के साथ मिलकर आशीष चौधरी को फोन कर शराब दुकान के पास बुलाया, वहां से शराब खरीदी और फिर गांव के बाहर जाकर साथ में शराब पी और फिर बाद में उसके सिर में पत्थर पटककर कर हत्या कर दी। आरोपियों ने आशीष के शव और उसकी मोटरसाइकिल को गड्ढे में फेंककर हत्या को एक्सीडेंट का रूप दिया। आरोपियों ने मृतक का मोबाइल हिरन नदी में फेंक दिया और फिर फोन कर साधना को बताया कि काम हो गया है।

सौजन्य भेंट

शिक्षा के प्रकाश से आलोकित मल्हारगढ़ विधानसभा

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा क्षेत्र के पिपलियामंडी मंडल अंतर्गत ग्राम लसुड़िया राठौर में ?675.22 लाख की लागत से निर्मित एकीकृत शासकीय हाई स्कूल के नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता कर उपस्थित जनों को संबोधित किया। इस अवसर पर सभी को हमारी सरकार द्वारा मल्हारगढ़ विधानसभा सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकासात्मक कार्यों, सुदृढ़ आधारभूत संरचना के निर्माण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह नवीन भवन न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय शिक्षा प्रणाली को भी नई दिशा और गति प्रदान करेगा।

इंदौर में पत्नी की हत्या कर शव श्मशान लेकर पहुंचा

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के हातोद में एक पति ने गुरुवार को अपनी पत्नी की घर में तलवार मारकर हत्या कर दी। इसके बाद वह शव को ई-रिक्शा में रखकर श्मशान घाट जलाने ले गया। इससे पहले ही पुलिस को सूचना मिल गई। पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवाया और शव को अस्पताल भेजा। उधर, पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक, घटना हातोद इलाके की है। यहां पूजा (28) का शव उसका पति धर्मेंद्र श्मशान घाट लेकर पहुंचा था। इस दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जब्त किया। पुलिस ने देखा कि महिला के शरीर पर किसी धारदार हथियार से कटने के निशान हैं। पूछताछ में धर्मेंद्र ने स्वीकार किया कि उसने तलवार मारकर पत्नी पूजा की हत्या की है और साक्ष्य छिपाने के लिए वह उसका शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए आया था।

पति ने पत्नी पर तलवार से किया हमला, मौत

डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि पति धर्मेंद्र अपनी पत्नी पूजा पर चरित्र शंका करता था। एक साल पहले पूजा किसी के साथ चली गई थी, लेकिन बाद में वह वापस आ गई। इसके बाद से दोनों के बीच लगातार विवाद चलता था। गुरुवार को धर्मेंद्र को पता चला कि पूजा कहीं जा रही है और वह रेलवे स्टेशन पर बैग लेकर पहुंची है। इसके बाद धर्मेंद्र स्टेशन पहुंचा और पूजा को समझा-बुझाकर घर ले आया। घर आने के बाद दोनों के बीच फिर विवाद हुआ, जिसके बाद धर्मेंद्र ने पूजा के गले पर तलवार से वार कर दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह शव को ई-रिक्शा में रखकर श्मशान की ओर निकल गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

रोहित बोले- टी-20 वर्ल्डकप में ऑस्ट्रेलिया से बदला लिया

भारत 24 रन से जीता था, वनडे वर्ल्डकप फाइनल हार टीम के मन में थी

न्यूज क्राइम फाइल

रोहित शर्मा ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया को हराने को लेकर बात की है। उन्होंने कहा सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया को हारकर पूरी टीम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल का बदला लिया था। स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में रोहित शर्मा ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर की फाइनल हार का गुस्सा उनके और पूरी टीम के मन में था। इसके बाद टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था। इस मैच में रोहित ने 92 रनों की पारी खेली थी। जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। मन में थी 19 नवंबर की चिढ़न रोहित रोहित ने कहा 2023 वर्ल्ड कप में हमने शानदार खेल दिखाया लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने हमें हरा दिया। 19 नवंबर की चिढ़न हमेशा से मेरे और टीम के मन में थी। उन्होंने कहा, गुस्सा तो हमेशा था। ऑस्ट्रेलिया ने हमारा 19 नवंबर खराब कर दिया था। ड्रेसिंग रूम में 2023 फाइनल की बात होती थी टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर रोहित ने बताया, ड्रेसिंग रूम में हम इस बारे में बात करते थे। मन में ये ख्याल तो रहता है, लेकिन जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं, तो इन सबके बारे में ज्यादा नहीं सोचते। हमने पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 205/4 का स्कोर बनाया। इसके बाद गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 181/7 के स्कोर पर रोक दिया।

मैच से पहले हमें बताया गया था कि खतरा है: रोहित

रोहित ने ञ20 वर्ल्ड कप 2024 में हुए भारत-पाक मुकाबले को याद करते हुए कहा कि मैच से पहले का माहौल किसी त्योहार जैसा था, होटल से लेकर स्टेडियम तक। इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से हरा दिया था। यह एक लो-स्कोरिंग रोमांचक मैच था, जिसमें जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लेकर सिर्फ 14 रन दिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। रोहित ने आगे कहा, मैच से पहले हमें बताया गया था कि खतरा है, कुछ गड़बड़ चल रही थी। इसलिए मैच से दो दिन पहले तक हमें होटल से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। माहौल तभी से बनना शुरू हो गया था। हम बाहर नहीं जा सकते थे, तो खाना भी होटल में ही मंगवाया जा रहा था। होटल इतना भरा हुआ था कि चलना भी मुश्किल था। फैंस, मीडिया, हर कोई वहां मौजूद था। तभी महसूस हुआ कि यह सिर्फ एक और मैच नहीं है, बल्कि कुछ खास होने वाला है। रोहित की कप्तानी में दोहरी जीत रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती, जहां फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया गया। इस तरह, रोहित ने अपनी कप्तानी में भारत को दो बड़े ICC खिताब दिलाए।

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने की दूसरी शादी

55 साल की गलफ्रेंड सांचेज से इटली के वेनिस में वेडिंग सेरेमनी; ट्रम्प की बेटी शामिल

न्यूज क्राइम फाइल

अमेजन के फाउंडर और दुनिया के चौथे सबसे अमीर कारोबारी जेफ बेजोस (60) आज अपनी गर्लफ्रेंड लॉरेन सांचेज (55) से इटली के वेनिस शहर में शादी करने जा रहे हैं। जेफ अपनी दूसरी शादी पर करीब 50 मिलियन डॉलर यानी 450 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। समारोह में शामिल होने डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप सहित कई बड़े सेलेब्रिटी पहुंचे हैं। इस शादी की तैयारियां पिछले कई दिनों से चल रही हैं। इस शादी में करीब 200-250 वीआईपी मेहमान शामिल हो रहे हैं। वेनिस के एयरपोर्ट पर 90 प्राइवेट जेट्स उतरे हैं।

शादी में शामिल बिल गेट्स समेत कई बड़े सेलेब्रिटी

मेहमानों की लिस्ट में ओपरा विनफ्रे, बिल गेट्स, किम और ख्लोए कार्दशियन, ओरलैंडो ब्लूम, क्वीन ऑफ जॉर्डन, इवांका ट्रंप, जारेड कुशनर, लियोनार्डो डिकैप्रियो, मिक जैगर जैसे इंटरनेशनल सेलेब्रिटी शामिल हैं।वेनिस की नहरों में प्राइवेट बोट्स और वॉटर टैक्सी से मेहमान होटल से वेन्यू तक का सफर कर रहे हैं।

विरोध के कारण बदला शादी का वेन्यू

शादी का वेन्यू पहले वेनिस के कैनारेजियो इलाके में तय किया गया था, लेकिन सुरक्षा कारणों और स्थानीय लोगों के विरोध के चलते इसे बदलकर पुराने किले हॉल ऑफ द आर्सेनाले में कर दिया गया। स्थानीय लोग बेजोस की शादी का विरोध कर इसे बिलियनेयर का प्लेग्राउंड बता रहे हैं। उनका कहना है कि वेनिस पहले से ही ओवरटूरिज्म और महंगाई की मार झेल रहा है। अमीरों की ऐसी पार्टियां शहर की असली परेशानियों से ध्यान भटका देती हैं।

2023 में इटली में ही हुई थी सगाई

बेजोस और लॉरेन की सगाई अगस्त 2023 में इटली में हुई थी। इस पार्टी में बिल गेट्स, लियोनार्डो डिकैप्रियो और क्रिस जेनर जैसे गेस्ट पहुंचे थे। बेजोस ने अपने नए सुपरयॉट पर एंगेजमेंट का प्रपोजल दिया था। उन्होंने सांचेज को हार्ट शेप्ड अंगूठी दी थी। इस अंगूठी में 20 कैरेट का हीरा जड़ा है। लॉरेन ब्रॉडकास्ट जर्नलिस्ट रह चुकी हैं। वह हेलिकॉप्टर पायलट और ब्लैक ऑप्स एविएशन की फाउंडर भी हैं।

2019 में लॉरेन ने दिया था पैट्रिक व्हाइटसेल को तलाक

बेजोस के साथ रिलेशनशिप में आने से पहले 2005 में लॉरेन ने हॉलीवुड एजेंट पैट्रिक व्हाइटसेल से शादी की थी। 13 साल बाद 2019 में उन्होंने पैट्रिक को तलाक दे दिया था। पैट्रिक के साथ उनके दो बच्चे हैं। बेटे का नाम इवान और एक बेटी एला है।

बेजोस ने 25 साल बाद मैकेंजी स्कॉट को दिया था तलाक

बेजोस ने भी 2019 में ही उनकी पत्नी मैकेंजी स्कॉट को तलाक दिया था। दोनों की शादी तलाक से 25 साल पहले 1994 में हुई थी। बेजोस के तीन बेटे और एक एडॉप्टेड बेटी है। मैकेंजी भी दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में से एक है।

अपने अलग-अलग कार्यक्रमों में मुझे सबसे प्रिय सुरक्षा बलों के साथ संवाद करना लगता है। देश के लिए हमारे सुरक्षा बलों के प्रेम, त्याग और जज्बे को पूरा देश सलाम करता है।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

रतलाम में 19 कारें हो गई बंद, पेट्रोल पंप सील

सीएम के काफिले की गाड़ियों में भरा पानी मिला डीजल

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम में आज शुक्रवार को रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव-एमपी राइज 2025 होने जा रही है। कॉन्क्लेव में सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। सीएम के काफिले के लिए इंदौर से आई 19 इनोवा कार गुरुवार रात पेट्रोल पंप से डीजल भरवाने के बाद कुछ दूरी पर जाकर एक के बाद एक बंद हो गईं। इससे हड़कंप मच गया। गाड़ियों के टैंक खोलकर देखे गए तो उनमें डीजल के साथ पानी निकला। रात में ही अफसर मौके पर पहुंचे। पेट्रोल पंप को सील कर दिया। फिर इंदौर से दूसरी गाड़ियों का अरेंजमेंट किया। वहीं टैंक से डीजल व पेट्रोल के सैंपल लेकर जांच के लिए बीपीसीएल लैब मांगलिया भेजे गए है।

पेट्रोल पंप संचालक और मैनेजर के खिलाफ एफआईआर

इस मामले में जिला आपूर्ति अधिकारी आनंद गोले की रिपोर्ट पर थाना औद्योगिक क्षेत्र ने पेट्रोल पंप संचालक शक्ति बुंदेल पति हेमराज बुंदेल और पंप मैनेजर अमरजीत पिता बल्लू डाबर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत केस दर्ज कर लिया है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार जांच में पाया कि पंप संचालक ने लापरवाही बरतते हुए वाहनों में अपमिश्रित डीजल भरा गया। जो कि उन्हें नहीं करना चाहिए था।

सीएम कारकेट का ट्रायल किया, भरवाया था डीजल

दरअसल, रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव- एमपी राइज 2025 में सीएम के अलावा कई वीआईपी के आने का तय था। जिला प्रशासन के अधिकारी गुरुवार दिनभर से इसके लिए तैयारियों में जुटे थे। इसी के मद्देनजर पुलिस ने सीएम कारकेट का ट्रायल भी किया। रात करीब 10 बजे सीएम कारकेट की 19 इनोवा कारें शहरी सीमा के डोसीगांव स्थित भारत पेट्रोलियम के शक्ति फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाने पहुंचीं। डीजल भरवाने के बाद गाड़ियां आगे बढ़ीं तो कुछ दूर जाकर रुक गईं। धक्का लगाकर गाड़ियों को सड़क के किनारे खड़ा करना पड़ा।

अधिकारी पहुंचे, गाड़ियों के टैंक खुलवाए

19 इनोवा कारों के साथ एक साथ बंद होने की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आनंद गोरे और दूसरे अफसर मौके पर पहुंचे। गाड़ियों के डीजल टैंक खुलवाए। मालूम पड़ा कि गाड़ी में 20 लीटर डीजल डलवाया तो उसमें 10 लीटर पानी निकला। यह स्थिति सभी गाड़ियों में दिखीं। इस दौरान एक ट्रक ने भी करीब 200 लीटर डीजल डलवाया था। वह भी थोड़ा चलने के बाद बंद हो गया। तब अधिकारियों ने भारत पेट्रोलियम के एरिया मैनेजर श्रीधर को बुलाया। उसने अधिकारियों के सामने डीजल टैंक में बारिश के कारण पानी रिसाव होने की आशंका जताई। पेट्रोल पंप इंदौर निवासी शक्ति पति एचआर बुंदेला के नाम पर है।

देर रात तक डटे रहे अधिकारी

रात करीब एक बजे तक प्रशासनिक अधिकारी पेट्रोल पंप पर मौजूद रहे। गाड़ियों के डीजल टैंक में पानी निकलने पर रात में ही खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप को सील कर दिया। इसके बाद इंदौर से दूसरी गाड़ियों का अरेंजमेंट कर रतलाम के लिए रवाना की गईं।

नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय ने बताया-

बारिश के कारण पेट्रोल पंप टैंक में पानी रिसाव की आशंका है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने पेट्रोल पंप सील कर दिया है। रिपोर्ट सीनियर अफसर को सौंपी जाएगी।

मैनेजर ने कहा- बारिश के कारण पानी रिसा

पेट्रोल पंप मैनेजर अमरजीत डाबर ने कहा- रात को तेज बारिश के कारण टैंक में पानी के रिसाव की समस्या आई है। पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। रात में मैकेनिक को बुलाकर डीजल खाली करवा दिया गया है। दूसरे पंप से डिस्ट्रीब्यूशन करा रहे हैं।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने किया कटाक्ष

सीएम के काफिले के लिए आई गाड़ियों में पानी मिला डीजल डालने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि, करप्शन मुख्यमंत्री जी की गाड़ी तक पहुंच गया है। ये 50% की कमीशन की सरकार की बानगी है।

जीएसटी इनपुट में फर्जीवाड़ा करने वाला गिरफ्तारः ईओडब्लू ने की कार्रवाई, फर्जी बिल बनाकर धोखाधड़ी करता था आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

जीएसटी में इनपुट टैक्स क्रेडिट के नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाले विनोद कुमार सहाय उर्फ एनके खरे को ईओडब्ल्यू ने रांची से गिरफ्तार किया है। वह फर्जी दस्तावेजों से बोगस फर्म बनाकर फर्जीवाड़ा करता था। इसके बाद कागजों में खरीदी-बिक्री दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट लेता था। गिरोह ने सरकार को 34 करोड़ रुपए की राजस्व क्षति पहुंचाई है। ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार को उसे जबलपुर जिला अदालत में पेश किया है। जहां से उसे 2 जुलाई तक की रिमांड पर सौंप दिया है।

3 जिले में बड़े पैमाने पर किया फर्जीवाड़ा

आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने जबलपुर, भोपाल और इंदौर में एक सुनियोजित और बड़े पैमाने पर जीएसटी धोखाधड़ी की है। उसके गिरोह ने भोले-भाले लोगों को झांसा देकर दस्तावेजों का दुरुपयोग किया और फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट का अवैध हस्तांतरण कर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया है।

ऐसे हुआ था मामले का खुलासा

मामले का खुलासा प्रताप सिंह लोधी की शिकायत और वाणिज्य कर विभाग, जबलपुर की सहायक आयुक्त वैष्णवी पटेल और ज्योत्सना ठाकुर की भेजी गई रिपोर्टों से हुआ है। इन रिपोर्टों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और आपराधिक साजिश के माध्यम से जीएसटी चोरी का संकेत दिया गया था।

लोन का झांसा देकर लेते थे दस्तावेज

मुख्य आरोपी विनोद कुमार सहाय उर्फ एनके खरे ने वर्ष 2019-2020 के दौरान जबलपुर में प्रताप सिंह लोधी, दीनदयाल लोधी, रविकांत सिंह और नीलेश कुमार पटेल जैसे व्यक्तियों से संपर्क किया। उसने इन लोगों को यह कहकर झांसा दिया कि ऋण प्राप्त करने के लिए जीएसटी पंजीकरण आवश्यक है। इस बहाने से, उसने उनसे उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो, बैंक खाता स्टेटमेंट, कृषि भूमि से संबंधित दस्तावेज (जैसे खसरा, किस्तबंदी खतौनी, ऋण पुस्तिका) और बिजली बिल जैसे दस्तावेज हासिल कर लिए।

जब भाषणों को संगृहीत कर पुस्तकों के रूप में प्रकाशित किया जाता है, तो वे एक युग की बौद्धिक धरोहर बन जाती हैं। वे न केवल study के लिए महत्वपूर्ण होती हैं, बल्कि policy making, academic research के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक भी बनती हैं।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

रेलवे स्टेशन पर नाबालिगों को टारगेट करते; 6 महीने में 10 लड़कियों की डील

बिहार की लड़कियों को मप्र राजस्थान में बेचती थी गैंग

न्यूज क्राइम फाइल

पटना पुलिस ने शादी के नाम पर लड़कियों को बेचने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। शुक्रवार को पटना एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने पूरे मामले का खुलासा किया। आरा की लड़की को गैंग ने राजस्थान में बेचा था। लड़की वहां से भागकर दानापुर थाने पहुंची तो पूरे रैकेट का खुलासा हुआ। लड़की की निशानदेही पर पुलिस ने रोहतास के दिनारा में रेड की। यहां से 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक महिला भी है। ये गैंग रेलवे स्टेशन पर मजबूर लड़कियों को निशाना बनाती थी। इसके बाद अच्छी लाइफ का लालच देकर उनकी शादी करवाती थी। शादी के बाद मध्यप्रदेश और राजस्थान में लड़कियों को बेच दिया जाता था।

6 महीने में 10 लड़कियों को शिकार बना चुकी है गैंग

शुक्रवार को पटना स्स्क कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि पूरा मामला ह्यूमन ट्रैफिकिंग से जुड़ा है। इसके लिए पूरी गैंग काम कर रही है। इसमें महिला समेत कई लोग शामिल हैं। गैंग पिछले 6 महीने में 10 लड़कियों को अपना शिकार बना चुकी है। ये लोग लड़कियों को बहला-फुसला कर शादी के नाम अपने ठिकानों पर ले जाता है। वहां लड़कियों की डील तय होती है। इसके बाद राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत दूसरे राज्यों के लोगों से बेच देता है। लड़कियों की उम्र के हिसाब से उनकी कीमत तय की जाती थी। गैंग रेलवे स्टेशन पर एक्टिव रहता था। स्टेशन पर आने-जाने वाली नाबालिग और अकेली लड़कियों को टारगेट करता था। ये लोग उन्हें अच्छी लाइफ का झांसा देकर अपनी बातों में फंसाते थे। लड़कियों को गलत सपने दिखाते थे।

गैंग की महिला लड़कियों का ब्रेन वॉश करती थी

इसके बाद गैंग की एक महिला लड़कियों को अपने घर भोजपुर ले जाती थी। कुछ दिन उन्हें वहीं रखा जाता था। वहां लड़कियों को शादी के लिए तैयार किया जाता था। इसके बाद शादी के नाम पर उन्हें अगली पार्टी से मिलवाया जाता था। फिर लड़की की शादी करवा दी जाती थी। शादी के बाद वो शख्स लड़की को लेकर दूसरे राज्य चला जाता है। वहां उसे बेच दिया जाता था। पुलिस अब बाकी 9 लड़कियों को बरामद करने में जुट गई है। बरामद करने के बाद कोर्ट में उनका बयान दर्ज कराया जाएगा।

पटना एसएसपी ने कहा- टीम गैंग की शिकार बाकी 9 लड़कियों की तलाश कर रही है।

भोजपुर की महिला और युवक था ब्रोकर

इसी गैंग ने दानापुर स्टेशन से एक नाबालिग लड़की को झांसा दिया था। गैंग की एक महिला बहला कर उसे रोहतास जिले के दिनारा ले गई। वहां आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में उसकी शादी कराई गई। जिस युवक से उसकी शादी हुई, उसने राजस्थान में ले जाकर उसे बेच दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पटना पुलिस की टीम एक्टिव हुई। शुरुआती पड़ताल में भोजपुर की एक महिला और मध्य प्रदेश के कुछ युवकों का पता चला। जो गैंग के लिए ब्रोकर का काम करते हैं। इन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन लोगों ने पुलिस को बताया है कि जून महीने में उन्होंने कई और लड़कियों कर सौदा किया।

ऐसे हुआ पूरे रैकेट का खुलासा

इन लोगों ने आरा की एक गरीब लड़की को शादी कराने का झांसा दिया और 1.50 लाख में राजस्थान के एक कारोबारी को बेच दिया। उस कारोबारी ने उसे गलत धंधे में डालने के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इसके बाद लड़की वहां से भाग कर दानापुर जंक्शन पहुंची। वहां से किसी ने उसे दानापुर थाने भेज दिया। दानापुर पुलिस ने रोहतास के दिनारा स्थित आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में छापेमारी की और राजेश कुमार साह समेत चार को गिरफ्तार कर पटना ले आई। आरा की रहने वाली लड़की के परिजनों को उसके ही पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने शादी कराने को कहा था। बताया था कि लड़का रोहतास का रहने वाला है। राजस्थान में उसका कारोबार है।

रोहतास का रहने वाला है मास्टरमाइंड, फरार

एसएसपी ने आगे बताया- इस मामले में अब तक कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दो रोहतास के रहने वाले हैं। भोजपुर की एक महिला है। साथ ही दो युवक मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। इन सब के अलावा दिनारा के जिस मैरिज हॉल में शादी ये लोग कराते थे, उसके मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम ने जब अपनी पड़ताल शुरू की तो उसमें कई वीडियो फुटेज हाथ लगे हैं। इसके आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ी और रिजल्ट सबके सामने है। हालांकि, इस गैंग का मेन सरगना रोहतास के दिनारा का रहने वाला है। जो अभी फरार है।

भीड़ ने दो युवकों को खंभे से बांधकर पीटा: एक ने महिलाओं के कपड़े पहने थे; सीहोर में लोग बोले- दो दिन पहले बच्चे को उठाया था

न्यूज क्राइम फाइल

सीहोर में भीड़ ने दो युवकों को खंभे से बांधकर पीटा। एक युवक ने महिलाओं के कपड़े पहन रखे थे। युवकों का कहना है कि वे बहरूपिए हैं। भीख मांगकर गुजारा करते हैं। लोगों ने उन्हें संदिग्ध समझकर मारपीट की। घटना शुक्रवार सुबह जमुनिया मार्ग की है। पुलिस मौके पर पहुंची, इसके बाद भी भीड़ युवकों को पीटती रही। लोगों ने बताया कि दो दिन पहले कुछ युवक इलाके में आए थे। जिसने आज महिलाओं के कपड़े पहने थे, उस वो भी शामिल था। तब इन लोगों ने जबरदस्ती एक बच्चे को गोद में उठा लिया था। 4 हजार रुपए लेने के बाद ही बच्चे को छोड़ा था। आज फिर ये लोग क्षेत्र में दिखे तो इन्हें खंभे से बांधकर सबक सिखाया। मंडी टीआई माया सिंह ने बताया, दोनों पीड़ित चांदबढ़ गांव के रहने वाले हैं और भीख मांगकर अपना जीवन यापन करते हैं। एडिशनल एसपी सुनीता रावत ने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई

की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में युवकों ने अपना नाम चांदबढ़ निवासी भगवान (35) और पंखनी गांव निवासी कमलनाथ बताया है।

ओडिशा में दो दलित युवकों को घुटनों पर चलने, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर करना सिर्फ अमानवीय नहीं, बल्कि मनुवादी सोच की बर्बरता है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

रीवा की सभी आंगनवाड़ियों में सप्लाई; कलेक्टर ने सीईओ को सौंपी जांच

बच्चों के लिए पैरों से रौंदकर बना रहे पोषण-आहार

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा जिले में गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार को पैरों से कुचलकर बनाया जा रहा है। इससे जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक युवक सड़ा-गला अनाज पैरों से रौंदते हुए मशीन में डालते नजर आ रहा है। मामला पहाड़िया स्थित टेक होम राशन प्लांट का है। इसका संचालन जिला पंचायत के माध्यम से किया जा रहा है। यहीं से ये पूरक पोषण आहार जिले की सभी आंगवाड़ियों में सप्लाई किया जाता है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

सीईओ को दिए जांच के निर्देश

मामला सामने आने पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने ने कहा, पहाड़िया THR प्लांट से जुड़ी शिकायत सामने आई है। मैंने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए हैं कि वे मौके पर जाकर निरीक्षण करें और यह जांचें कि किस प्रकार का पूरक पोषण आहार तैयार किया जा रहा है और किस तरह का अनाज उपयोग में लिया जा रहा है।

महिलाओं द्वारा संचालित है यह प्लांट

पहाड़िया THR प्लांट को स्थानीय महिला समूहों द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य पोषण के साथ-साथ महिलाओं को रोजगार और सशक्तिकरण देना है। सीईओ जिला पंचायत द्वारा निरीक्षण रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

छतरपुर में मिली आदिवासी पटवारी और दोस्त की लाश

बीजेपी उपाध्यक्ष पत्नी बोली- विधायक पटेरिया ने ट्रांसफर कराया था; 80 किमी दूर फिंकवाया

न्यूज क्राइम फाइल

छतरपुर में पटवारी प्राण सिंह (50) और उनके दोस्त छन्नू यादव (45) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दोनों के शव शुक्रवार सुबह एक खेत में मिले। शरीर पर चोटों के निशान हैं। परिजन के मुताबिक, दोनों गुरुवार शाम रोज की तरह खेत पर घूमने निकले थे। पटवारी प्राण सिंह की पत्नी पार्वती आदिवासी बीजेपी की जिला उपाध्यक्ष हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रही हैं। उन्होंने राजनगर से बीजेपी विधायक अरविंद पटेरिया पर पति का ट्रांसफर कराने के आरोप लगाए हैं। इसका पति की मौत से कनेक्शन होने का दावा भी किया है। विधायक पटेरिया बोले- आदमी खत्म होता है तो राजनीति दिखती है। पता है, सब ज्ञान है मेरे को। मैं सब समझता हूं, ऐसे में राजनीति नहीं करना रे। पटवारी प्राण सिंह राजनगर तहसील के उमरिया हल्के में तैनात थे। हाल ही में 80 किमी दूर बक्सवाहा ट्रांसफर हुआ था।

मामले में बमीठा टीआई आशुतोष श्रुतिया बोले-

दोनों के शव पटवारी के खेत पर स्थित निर्माणाधीन मकान में मिले हैं। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

प्राण सिंह, पटवारी

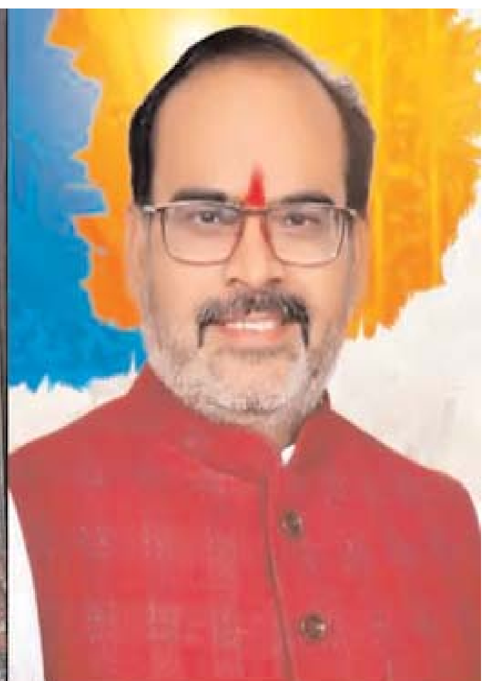

अरविंद पटेरिया, विधायक

मौसम खराब होने से तलाश नहीं पाए परिजन

प्राण सिंह के बेटे कमलेश ने कहा- पिता देर रात तक नहीं लौटे तो मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया। दोनों का मोबाइल स्विच ऑफ आता रहा। रातभर खराब मौसम होने की वजह से तलाशने नहीं जा पाए। सुबह दोनों खेत में मिले। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कमलेश ने कहा कि पिता के गले और उनके दोस्त छन्नू के कान और पैरों में खून के निशान मिले हैं। मारपीट के संकेत हैं।

पत्नी बोलीं- पटेरिया का लेटर हेड लगा है, उन्हीं ने फिंकवाया

पटवारी की पत्नी पार्वती आदिवासी ने बताया- मेरे पति कल दिनभर घर में सोए रहे। शाम को करीब 4 बजे बोले- 3 हजार रुपए दे दो। सेट ला देते हैं तो कल खेत की जुताई हो जाएगी। हम 3 दिन की छुट्टी तहसीलदार से लेकर आए हैं। बोवनी करा देते हैं। फिर वे छन्नू को लेकर चले गए। रात में हमने खाना बनाया। 9 बजे तक देखा कि आएंगे, पर नहीं आए। सुबह भी फोन बंद आया तो बेटे को खेत में भेजा। पार्वती ने कहा- उनका बक्सवाहा ट्रांसफर कर दिया था। परसों-नरसों जॉइन करके आए थे। बड़ी गाड़ी से गए थे। अरविंद पटेरिया का लेटर हेड लगा है। उन्हीं ने फिंकवाया था। हमने उनको फोन लगाया कि फोन उठा लें तो कहें कि भाई साहब, हम आपसे जुड़े हैं। पार्टी के ही हैं। छतरपुर या सटई ट्रांसफर कर दो, पर उन्होंने फोन नहीं उठाया। पार्वती ने कहा कि पार्टी के लोगों ने ही उनके पति का ट्रांसफर करवाया और अब आदिवासी होने के कारण कोई सहयोग नहीं कर रहा है। यह हत्या का मामला है और उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है।

साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 30 जून से 06 जुलाई 2025

भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार, भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर विचारक एवं महान शिक्षाविद श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें शत-शत नमन।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

6 महीने से अटका था चुनाव; एक-दो जुलाई को भोपाल आ सकते हैं प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का फैसला हफ्ते भर में

न्यूज क्राइम फाइल

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पिछले छह महीने से बना असमंजस अब दूर होने जा रहा है। अगले महीने में एमपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा। एक-दो जुलाई को मप्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान भोपाल आएंगे। प्रधान के भोपाल आने की तारीख अभी तय नहीं हैं।

केन्द्रीय नेतृत्व जारी करेगा चुनाव कार्यक्रम

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर बीजेपी के केन्द्रीय चुनाव अधिकारी की ओर से आज या कल जारी हो सकता है। चुनाव कार्यक्रम में उम्मीदवार के नामांकन दाखिल करने, स्क्रूटनी और नाम वापसी के साथ ही निर्वाचन की घोषणा का पूरा शेड्यूल घोषित होगा।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए दावेदारों ने तेज की कोशिशें

सूत्र बताते हैं कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पाने के कारण चुनाव टल रहा था। इस बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी परिस्थितियों के कारण चुनाव प्रक्रिया अघोषित तौर पर आगे बढ़ गई। लेकिन अब हालात सामान्य होने के बाद संगठन चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। ऐसे में मप्र के प्रदेश अध्यक्ष बनने की आस लगाए बैठे दावेदारों ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं।

हेमंत का दावा सबसे मजबूत

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों की रेस में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सबसे मजबूत नेता हैं। खंडेलवाल को सीएम डॉ मोहन यादव के साथ संघ की ओर से भी ग्रीन सिग्नल है। ऐसे में खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे हैं।

वीडी की जगह ब्राह्मण तो 4 दावेदार

वीडी शर्मा की जगह यदि ब्राह्मण पर फिर से पार्टी दांव लगाती है तो पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा सबसे मुख्य ब्राह्मण दावेदार हैं। नरोत्तम के अलावा विधायक और पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, सांसद आलोक शर्मा और, जबलपुर आशीष दुबे भी इस रेस में शामिल हैं। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल भी प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए अंदरखाने तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

दलित या आदिवासी को मिल सकती है कमान

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में दिए गए बयान के बाद से मप्र में राजनीति अंबेडकर के आसपास ही घूम रही है। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर प्रतिमा विवाद के कारण दलित-आदिवासी वर्ग में नाराजगी का माहौल है। ऐसे में दलित या आदिवासी वर्ग के नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

आदिवासी वर्ग के दावेदार

आदिवासी नेताओं में खरगोन सांसद गजेंद्र सिंह पटेल सबसे अहम दावेदार हैं। मंडला सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक कुंवर सिंह टेकाम और राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में शुमार हैं। मप्र में 22 फीसदी आदिवासी आबादी है, ऐसे में आदिवासी वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष बनने की संभावना प्रबल है।

एससी वर्ग के नेताओं में ये नेता शामिल

अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, जतारा विधायक हरिशंकर खटीक, देवास सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी

पिछले चुनावों के ट्रेंड में ठाकुर नेताओं की भी दावेदारी मजबूत

2006 से लेकर 2020 यानी मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष के पहले तक ठाकुर नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष में प्रमुखता मिलती रही है। चुनावों में बीजेपी को अपेक्षित परिणाम भी मिले। ऐसे में ठाकुर नेताओं की दावेदारी भी मजबूत है। पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह इस रेस में शामिल हैं।

जिला अस्पताल में नर्सिंग छात्रा की हत्या, चाकू मारे

न्यूज क्राइम फाइल

नरसिंहपुर जिला अस्पताल में एक युवक ने नर्सिंग छात्रा की हत्या कर दी। वह ट्रेनिंग के लिए अस्पताल पहुंची थी। इमरजेंसी वार्ड के बाहर एक काली शर्ट पहने युवक ने पहले उसे पीटा। इसके बाद चाकू से कई वार किए। घटना शुक्रवार दोपहर 3 बजे की है। छात्रा की पहचान सांकल रोड स्थित पटेल वार्ड गली में रहने वाले हीरालाल चौधरी की बेटी संध्या चौधरी(18) के रूप में हुई है। हमले के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम और कोतवाली थाना प्रभारी गौरव चाटे सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। छात्रा के परिजन भी अस्पताल पहुंच चुके हैं। परिजन ने अस्पताल के बाहर चक्काजाम कर दिया है। उनकी मांग है कि जब तक आरोपी को देख नहीं लेते, चक्काजाम खत्म नहीं करेंगे।

चश्मदीद बोला- कुर्सी पर बैठी लड़की को पीटने लगा

अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर नलिन भी उस वक्त वहीं मौजूद थे। नलिन ने बताया कि काले रंग की शर्ट पहने एक युवक आया था। आते ही वह कुर्सी पर बैठी लड़की के पीटने लगा। मैंने उसे रोकने की कोशिश की और मना किया, तो उसने मुझे भी धमकी दी। कहा कि बीच में मत बोलो नहीं तो तुम्हें भी मार दूंगा। मैं थोड़ा पलटा ही था कि काले रंग के चाकू से लड़की पर हमला कर दिया। इसके बाद वह भाग गया।

डीएसपी बोले- ट्रेनिंग कर रही थी छात्रा

डीएसपी मनोज गुप्ता ने बताया कि 18 वर्षीय छात्रा जिला अस्पताल में नर्सिंग की ट्रेनिंग कर रही थी। इसके पिता सब्जी बेचते हैं। मां-बाप की इकलौती बेटी थी। बॉडी को अभी कवर्ड किया हुआ है। उसके माता-पिता के आने के बाद खोला जाएगा। उसके बाद ही पता चलेगा कि कितने वार किए गए हैं। आरोपी कौन है। इसकी भी पड़ताल जारी है।

परिजन बोले- आरोपी को तत्काल फांसी हो

छात्रा के चाचा धनीराम चौधरी के मुताबिक, बेटी की यहां ट्रेनिंग चल रही थी। पुलिस प्रशासन कह रहा है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन न तो उसका फोटो दिखा रहे, ना ही उसकी जानकारी दे रहे। जिसने भी यह हत्या की है। उसे तत्काल फांसी हो।

पुलिसकर्मी और डॉक्टर को हटाने की मांग

एएसपी संदीप भूरिया की समझाइश के बाद परिजनों ने दोबारा से चक्काजाम कर दिया है। उनकी मांग है कि अस्पताल चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों को हटाया जाए। इमरजेंसी वार्ड में पदस्थ डॉक्टर पर भी आरोप है कि युवती पर जब हमला हो रहा था, तो उन्होंने वार्ड के गेट बंद कर लिए थे, उनको भी तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में पौधा रोपा।जीवन देने वाली पवित्र धरा की सबसे बड़ी सेवा पौधे लगाना और उसकी सेवा करना ही है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

राजा हत्याकांड: आरोपी आकाश और आनंद बयान से पलटे

शिलॉन्ग पुलिस का दावा- हमारे पास पर्याप्त सबूत, अभी एफएसएल रिपोर्ट आना बाकी

संदीप कुमार सिंह

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के 2 आरोपियों आनंद और आकाश कोर्ट में अपने बयान से पलट गए। उन्होंने राजा की हत्या में शामिल होने से इनकार कर दिया। हालांकि, शिलॉन्ग पुलिस की पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूला था। पुलिस ने बताया कि हमारे पास न केवल आनंद और आकाश बल्कि सभी आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, जो अदालत में रखे जाएंगे। मेघालय पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों ने पहले राजा की हत्या में शामिल होने की बात कबूली थी, लेकिन जब उन्हें कोर्ट में पेश किया गया तो दोनों कोर्ट के सामने चुपचाप खड़े रहे।

राजा की मां बोलीं- उज्जैन में ही हत्या की प्लानिंग थी

राजा की मां उमा रघुवंशी ने आरोप लगाया कि सोनम ने उज्जैन जाने की योजना अचानक बनाई थी। वहीं से एक गुड़िया राजा को घर के दरवाजे पर बांधने को दी थी। उज्जैन में राजा के साथ कोई तांत्रिक क्रिया की गई थी। जब से वो उज्जैन से लौटा था, तभी से बदला-बदला सा नजर आ रहा था। वहीं, राजा के भाई विपिन ने सोनम के परिवार का नार्को टेस्ट कराने की मांग की है और कहा कि वो इसके लिए हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

2019 से राजा की भी थी एक गर्लफ्रेंड

राजा रघुवंशी की पहले से एक गर्लफ्रेंड थी। राजा की उससे 2019 में मुलाकात हुई थी। तब से वे रिश्ते में थे। हालांकि राजा अपनी शादी होने तक गर्लफ्रेंड के संपर्क में था या नहीं इसका पता नहीं चल सका है। इस बात का खुलासा राजा के भाई की पूर्व प्रेमिका ने किया है। उसने बताया कि प्रेमिका के बारे में राजा के परिवार की भी जानकारी थी।

9 दिन सबूत जुटाने के बाद शिलॉन्ग लौटी पुलिस

इंदौर में जांच कर रही मेघालय पुलिस बुधवार (25 जून) को शिलॉन्ग लौट गई। टीम यहां 9 दिन रही। शिलॉन्ग पुलिस अपने साथ उस बिल्डिंग के मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर, ब्रोकर-कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स और सिक्योरिटी गार्ड बलवीर अहिरवार को भी ले गई है, जिसके एक फ्लैट में सोनम रुकी थी। इन तीनों का आरोपी विशाल चौहान और राज कुशवाह से सामना कराया जाएगा। इससे पहले बुधवार को पुलिस ने शिलोम जेम्स की निशानदेही पर इंदौर से पिस्टल, दो मैगजीन, दो कारतूस और 50 हजार रुपए बरामद किए। ये सारी चीजें सोनम के काले बैग में थीं। पुलिस ने लोकेंद्र, शिलोम और बलवीर को सबूत मिटाने और उनसे छेड़छाड़ करने का आरोपी बनाया है।

तक गर्लफ्रेंड के संपर्क में था या नहीं इसका पता नहीं चल सका है। इस बात का खुलासा राजा के भाई की पूर्व प्रेमिका ने किया है। उसने बताया कि प्रेमिका के बारे में राजा के परिवार की भी जानकारी थी।

23 मई को हुई थी राजा रघुवंशी की हत्या

29 साल के राजा रघुवंशी की हत्या 23 मई को मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) में उनकी हनीमून यात्रा के दौरान हुई थी। राजा ने 11 मई को सोनम से शादी की और 20 मई को हनीमून के लिए मेघालय पहुंचे थे। फिर दोनों 23 मई को शिलॉन्ग से लगभग 65 किलोमीटर दूर सोहरा में लापता हो गए थे। हत्याकांड में कुल 8 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। मास्टरमाइंड राजा की पत्नी सोनम और उसका प्रेमी राज कुशवाह हैं। इसके अलावा राजा की हत्या करने के आरोपी आनंद कुर्मी (23), आकाश राजपूत (19) और विशाल सिंह चौहान (22) हैं। इसके बाद मेघालय पुलिस ने इंदौर के प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स, चौकीदार बलबीर सिंह और लोकेंद्र सिंह तोमर को भी गिरफ्तार किया है।

2019 से थी राजा की एक गलफ्रेंड

राजा रघुवंशी की पहले से एक गर्लफ्रेंड थी। राजा की उससे 2019 में मुलाकात हुई थी। तब से वे रिश्ते में थे। हालांकि राजा अपनी शादी होने तक गर्लफ्रेंड के संपर्क में था या नहीं इसका पता नहीं चल सका है। इस बात का खुलासा राजा के भाई की पूर्व प्रेमिका ने किया है। उसने बताया कि प्रेमिका के बारे में राजा के परिवार की भी जानकारी थी।

लोकेंद्र-शिलोम का कराया आमना-सामना

इससे पहले ग्वालियर से बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को 25 मई को सुबह इंदौर लाया गया। करीब 11 बजे लोकेंद्र और शिलोम का आमना-सामना कराया गया। लोकेंद्र ने पिस्टल अपने पास होने की बात से इनकार कर दिया। जबकि शिलोम ने स्वीकार कर लिया कि उसने ही इंडस्ट्री हाउस के नजदीक पिस्टल फेंकी थी। दइसके बाद शिलॉन्ग पुलिस उसे लेकर इंडस्ट्री हाउस के पीछे पहुंची। यहां करीब 3 घंटे की सर्चिंग के बाद एक थैली से पिस्टल बरामद कर ली गई। हालांकि, सोनम का लैपटॉप अभी भी नहीं मिला है। लोकेंद्र ने शिलोम जेम्स से मिले अपने हिस्से के रुपए खर्च होने की बात कही। उसकी कार की तलाशी लेने पर एक डिक्की में करीब 50 हजार रुपए मिले हैं।

कथावाचक की पिटाई पर बवाल, फायरिंग पुलिस पर पथराव, गाड़ी तोड़ी पुलिस ने खदेड़ा

इटावा के इंस्पेक्टर पिस्टल लेकर दौड़े; यादव संगठनों ने थाना घेरा

न्यूज क्राइम फाइल

यूपी के इटावा में 22 जून को कथावाचक का सिर मुंडवाने की घटना के बाद गुरुवार को हंगामा हो गया। गुरुवार को यादव संगठनों के करीब 2 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी घटनास्थल दादरपुर गांव के बाहर जमा हो गए। पुलिस के पहुंचते ही प्रदर्शनकारी उनसे भिड़ गए। भीड़ ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव कर दिया। हंगामा बढ़ता देख छ्ह और इंस्पेक्टर ने पिस्टल निकालकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। दावा है- पुलिस की तरफ हवाई फायरिंग भी की गई। यहां पुलिस ने 19 लोगों को हिरासत में लिया है। आसपास के 4 गांवों में पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ब्राह्मण समाज के लोगों ने कथावाचक को यादव होने के कारण पीटा है और उनका सिर मुंडवाया। पुलिस ने पीड़ित कथावाचक के खिलाफ केस दर्ज किया है। यूपी के इटावा में 22 जून को कथावाचक का सिर मुंडवाने की घटना के बाद गुरुवार को हंगामा हो गया। गुरुवार को यादव संगठनों के करीब 2 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी घटनास्थल दादरपुर गांव के बाहर जमा हो गए। पुलिस के पहुंचते ही प्रदर्शनकारी उनसे भिड़ गए। भीड़ ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव कर दिया। हंगामा बढ़ता देख CO और इंस्पेक्टर ने पिस्टल निकालकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। दावा है- पुलिस की तरफ हवाई फायरिंग भी की गई। यहां पुलिस ने 19 लोगों को हिरासत में लिया है। आसपास

के 4 गांवों में पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ब्राह्मण समाज के लोगों ने कथावाचक को यादव होने के कारण पीटा है और उनका सिर मुंडवाया। पुलिस ने पीड़ित कथावाचक के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रदर्शनकारियों ने गांव में घुसने से पहले जाति पूछी इटावा के दादरपुर गांव में प्रदर्शनकारी आने-जाने वालों से उनकी जाति पूछकर आगे बढ़ने दे रहे थे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623